Subject - Hindi

indiresult.in whatsapp - 9352018749

खण्ड–I (उच्च माध्यमिक स्तर)

क. अपठित गद्य :– ज्ञान, अर्थग्रहण, आधारित प्रश्न

ख. अपठित पद्य :– ज्ञान, अर्थग्रहण, समालोचना आधारित प्रश्न

ग. व्यावहारिक लेखन

(i) कार्यालयी लेखन– औपचारिक पत्र, टिप्पण, अनुस्मारक, अर्ध–सरकारी पत्र, प्रेस–विज्ञप्ति, परिपत्र, कार्यसूची, कार्यवृत्त

(ii) स्ववृत्त (Biodata), आवेदन–पत्र लेखन

(iii) शब्दकोश एवं साहित्यकोश, रचना एवं उपयोग–पद्धति

(iv) व्याकरण का सामान्य ज्ञान– संधि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय, विलोम शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि, शब्द–युग्म, वाक्यांश के लिए एक शब्द, अनेकार्थी शब्द

घ. जन–संचार माध्यमों के लिए लेखन

(i) जनसंचार के प्रमुख माध्यम और तत्सम्बन्धी लेखन

ड. सृजनात्मक लेखन

(i) कविता, कहानी, नाटक, डायरी, रेडियो–नाटक, विषयक लेखन

च. 'अन्तरा' भाग–2 एवं 'आरोह' भाग–2 पुस्तकों में संकलित कविताओं पर काव्य सौन्दर्य– केन्द्रित प्रश्न।

छ. 'अन्तरा' भाग– 2 एवं 'आरोह' भाग–2 पुस्तकों में संकलित गद्य रचनाओं पर विषय–वस्तु, विचार, संवेदना और भाषा पर केन्द्रित प्रश्न।

ज. 'अन्तराल' भाग–2 तथा 'वितान' भाग–2 पुस्तकों में संकलित रचनाओं पर विषय–वस्तु एवं युग चेतना पर केन्द्रित प्रश्न।

खंड II (स्नातक स्तर)

हिन्दी साहित्य का इतिहास

(1) हिन्दी साहित्य का इतिहास– इतिहास–लेखन की पद्धतियाँ, इतिहास–लेखक

हिन्दी साहित्य का आरम्भ, काल–विभाजन और नामकरण, आदिकाल के अध्ययन की प्रमुख समस्याएँ– भाषा और प्रामाणिकता से संबंधित समस्याएँ।

आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, रचनाकार एवं प्रमुख रचनाओं का परिचय

indiresult.in whatsapp - 9352018749

(2) भक्ति आन्दोलन का उदय, विकास और दार्शनिक पृष्ठभूमि

संत काव्य– विशेषताएँ, प्रमुख कवि एवं रचनाएँ

सूफी काव्य– विशेषताएँ, प्रमुख कवि एवं रचनाएँ

रामभक्ति काव्य– विशेषताएँ, प्रमुख कवि एवं रचनाएँ

कृष्ण भक्ति काव्य– विशेषताएँ, प्रमुख कवि एवं रचनाएँ

रीतिकाव्य– रीति से तात्पर्य, मुख्य काव्यधाराएँ– रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य की विशेषताएँ, रचनाकार एवं रचनाओं का परिचय

(3) हिन्दी नवजागरण, भारतेन्दु तथा भारतेन्दु मण्डल के साहित्यकार।

- महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग
- छायावाद के प्रमुख कवि एवं रचनाएँ
- प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता और समकालीन कविता

(4) हिन्दी गद्य का उद्‌भव और विकास

- हिन्दी–उपन्यास का आरम्भ और विकास– प्रेमचन्द पूर्व, प्रेमचंदयुगीन तथा प्रेमचंदोत्तर उपन्यास की प्रमुख प्रवृतियाँ
- हिन्दी–निबंध का उद्‌भव व विकास, प्रमुख निबंधकार
- हिन्दी–कहानी का आरम्भ व विकास, प्रमुख कहानीकार
- हिन्दी–नाटक का उद्‌भव व विकास, प्रमुख नाटककार
- हिन्दी–गद्य की अन्य विधाएँ– आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र तथा रिपोर्ताज

काव्यशास्त्र

1. शब्द शक्ति – अभिधा, लक्षणा, व्यंजना
2. अलंकार – यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, संदेह, भ्रान्तिमान, दृष्टान्त, उदाहरण, व्यतिरेक, प्रतीप, विरोधाभास, असंगति, विभावना, अन्योक्ति, वक्रोक्ति, अर्थान्तरन्यास, व्याजस्तुति, मानवीकरण।
3. छंद – दोहा, चौपाई, सोरठा, रोला, उल्लाला, गीतिका, हरिगीतिका, कवित्त, सवैया, छप्पय, कुण्डलिया, मंदाक्रान्ता, वंशस्थ, वसंततिलका, मालिनी, द्रुतविलम्बित बरवै।
4. काव्य–गुण – माधुर्य, ओज और प्रसाद।
5. काव्य–रस – रस का स्वरूप, रसावयव–विभाव, अनुभाव, संचारी भाव, विभिन्न रसों के लक्षण, उदाहरण।
6. अन्य – बिम्ब, प्रतीक, मिथक, फैंटेसी।

(खंड – III स्नातकोत्तर स्तर)

क. काव्य के लक्षण, काव्य के प्रयोजन एवं काव्य के हेतु
ख. रसनिष्पत्ति, साधारणीकरण एवं ध्वनि–सिद्धान्त
ग. अरस्तू का अनुकरण सिद्धान्त एवं लोंजाइनस का उदात्त तत्त्व.